Kalam varsity, US firm in pact

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Engineering students of APJ Abdul Kalam Technical University (APJAKTU) will now be able to learn the latest technologies inside their classrooms, thanks to an MoU between the varsity and Texas Instruments (TI), a leading technology company in US. Under the MoU, four TI centres of excellence (CoE) are being up set up at four different institutions affiliated to APJAKTU. The first centre will be inaugurated at the Institute of Engineering and Technology on Wednesday.

It would be instrumental in training faculty and students to make courses more application-oriented. The tie-up will benefit over a lakh students pursuing electronics and communication, electrical and computer science engineering.

The university would provide infrastructure for organizing faculty development programs at CoEs for its faculty mentors within the course of next 16 months with technical expertise.

VC Vinay Pathak said, "The association with TI will help us produce industry-ready engineers and equip our faculty with state-of-the-art technology. It will allow us to provide faculty with ability to build technical expertise."

एकेटीयू : फर्जी प्रवेश मामले में 125 कॉलेजों को नोटिस

लखनऊ (ब्यूरो)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने मंगलवार को विवि से संबद्ध 125 कॉलेजों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इन कॉलेजों के करीब सात हजार स्टूडेंट्स फर्जी पाए गए हैं। कॉलेजों ने स्टूडेंट्स के दाखिले तो दिखाए हैं लेकिन परीक्षा से सभी नदारद हैं। कई कॉलेज में तो दाखिले के बाद एक भी स्टूडेंट ने परीक्षा ही नहीं दी। इसे छात्रवृत्ति में धांधली के साथ जोड़कर देखा है।

सेमेस्टर परीक्षा में गैरहाजिर 7000 स्टूडेंट्स का लिया संज्ञान

'अमर उजाला' में मंगलवार के अंक में मामला प्रकाशित होते ही एकेटीयू कुलपति ने इसका संज्ञान लिया और सभी कॉलेजों को नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस में सभी कॉलेजों को उनका पक्ष देने के लिए कहा गया है। जवाब से संतुष्ट न होने की सूरत में उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है। एकेटीयू में हर साल ऐसा मामला सामने आता है जब कॉलेज में स्टूडेंट्स के दाखिले दिखाए जाते हैं और समाज कल्याण विभाग की ओर से इनकी फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति भी जारी हो जाती है। इसके बाद जब परीक्षा का समय आता है तो परीक्षार्थी नदारद रहते हैं। असल में कॉलेज फर्जी स्टूडेंट्स के दाखिले दिखाकर फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति का पैसा हड़प लेते हैं।